

of inward remittances. The position is kept under constant review to see whether there is need to modify these or introduce new schemes with a view to increasing the flow of inward remittances.

(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

### अशोक होटल कर्मचारी यूनियन

834. श्री शिव नारायण सरसूनिया : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या अशोक होटल के कर्मचारियों की एक विशेष यूनियन को कुछ दुकानें, ऋण तथा बिजली उपलब्ध कराई गई है ;

(ख) यदि हां, तो किस तारीख में; और

(ग) कितनी राशि के ऋण तथा बिजली प्रभार अब तक वसूल नहीं किये गये हैं और ये राशियां कब से वसूली हुई हैं ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) जा, नहीं ।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठने ।

भारत पर्यटन विकास निगम के होटलों के मनेजर्स को दिये गये टेलीफोन

835. श्री शिव नारायण सरसूनिया : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत पर्यटन विकास निगम ने दिल्ली के होटलों के कुछ मनेजर्स को टेलीफोन दे रखे हैं जबकि वे जिन होटलों में कार्य करते हैं वहीं रह रहे हैं; और

(ख) यदि हां, तो उनकी संख्या कितनी है और इससे मासिक व्यय कितना घाता है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री

(श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) और (ख) जी, हां । दिल्ली स्थित भारत पर्यटन विकास निगम के छः होटलों में से तीन के प्रबंधकों को सीधे आवासीय (रेंजिडेंशल) टेलीफोन दिये हुए हैं । एक अन्य प्रबंधक के पास एक कार्यालय-व-आवासीय टेलीफोन है । 1976-77 के दौरान डाक तार विभाग में प्राप्त बिलों के आधार पर इन टेलीफोनों का औसत मासिक व्यय लगभग 1,170 रुपए बैठता है ।

अशोक होटल के कोष से दिया गया ऋण

836. श्री शिव नारायण सरसूनिया : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत पर्यटन विकास निगम के जनरल मनेजरों दिल्ली प्रशासन के एक अधिकारी को अशोक होटल के कोष में ऋण दिया था ; और

(ख) यदि हां, तो कितना ऋण दिया गया और यह कब वापस दिया गया तथा यह ऋण देने के कारण क्या है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) : (क) और (ख) मामले की जांच की जा रही है ।

भारत पर्यटन विकास निगम में नियमावली

837. श्री शिव नारायण सरसूनिया : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या भारत पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों के पास कोई नियमावली

नहीं है और यदि हा, तो इसके क्या कारण हैं ; और

(ख) यदि ऐसी कोई नियमावली हो तो क्या उसकी एक प्रति सभा-पटल पर रखी जाएगी ?

**पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (श्री पुरुषोत्तम कौशिक) :** भारत पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों की नौकरी की शर्तों को शामिल करने वाले नियमों एवं विनियमों को एक नियमावली (मैनुअल) के रूप में अभी अन्तिम रूप नहीं दिया गया है क्योंकि कुछ वर्तमान नियमों को अद्यतन रूप देने (अप-डेटिंग) का कार्य अभी चल रहा है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

#### Missing Credits in Provident Fund Accounts

838. SHRI A. BALA PAJANOR: Will the Minister of FINANCE AND REVENUE AND BANKING be pleased to state:

(a) the amount of missing credits in Provident Fund accounts of Central Government employees and reasons therefor;

(b) the broad classification of the amount as unsettled for more than five years, ten years and above;

(c) the number of cases of Provident Fund subscribers whose accounts were not fully and finally settled at the time of retirement because of missing credits;

(d) the action taken to remove consequent hardships to the subscribers; and

(e) the impact of the scheme of separation of accounts from audit on the settlement of the long outstanding cases of missing credits?

**THE MINISTER OF FINANCE AND REVENUE AND BANKING (SHRI H. M. PATEL):** (a) to (c). Following the departmentalisation of Central Government accounts, the process of transfer of G. P. Fund accounts of Central Government employees by the Accountants General to the departmental Accounts Officers is continuing. Details regarding missing credits, their classification into more than 5 years old or 10 years old items and the number of final payment cases which could not be settled due to missing credits are being collected and a statement will be laid on the Table of the House. Missing credits generally occur due to defective preparation of schedules by drawing officers, incorrect account numbers, recovery of subscription before allotment of account numbers, loss of schedules in transit, mis-classification of credits in accounts, and transfers of Government servants between Departments and delays in remittance of subscription of Government servants on foreign service/deputation/duty from one accounts organisation to another.

(d) Every effort is being made to trace the correct account numbers in cases of unposted items of credits; to verify missing credits from drawing officers and the schedules in which recoveries were recorded; to adjust credits by transfer between Accounts Officers where recoveries have been accounted for by an Accounts Officer different from the one maintaining the Provident Fund accounts; to adjust credits on the basis of collateral evidence, etc.

(e) With the departmentalisation of accounts in the Central Civil Ministries and Departments, Provident Fund accounts of Group A, B & C officers are maintained by the Pay and Accounts Officers themselves who are responsible for making payments of salaries and allowances. Such a decentralisation in account keeping eliminates the major causes which